Literacy for a Billion

Movie: Badaltey Rishtey
Year: 1978

Song: Meri Saanson Ko Jo Mehka
Lyricist: Anand Bakshi

मेरी साँसों को जो महका रही है
मेरी साँसों को जो महका रही है
ये पहले प्यार की ख़ुशबू
तेरी साँसों से शायद आ रही है
मेरी साँसों को जो महका रही है

शुरू ये सिलसिला तो
उसी दिन से हुआ था
शुरू ये सिलसिला तो
उसी दिन से हुआ था
अचानक तूने जिस दिन
मुझे यूँ ही छुआ था
अचानक तूने जिस दिन
मुझे यूँ ही छुआ था
लहर जागी जो उस पल
तन बदन में
वो मन को आज भी बहका रही है
ये पहले प्यार की ख़ुशबू
तेरी साँसों से शायद आ रही है
मेरी साँसों को जो महका रही है

बहुत तरसा है ये दिल
तेरे सपने सजा के
ये दिल की बात सुन ले
मेरी बाँहों में आके
जगा कर अनोखी प्यास मन में
ये मीठी आग जो दहका रही है
ये पहले प्यार की ख़ुशबू
तेरी साँसों से शायद आ रही है
मेरी साँसों को जो महका रही है

ये आँखें बोलती हैं
जो हम ना बोल पाए
ये आँखें बोलती हैं
जो हम ना बोल पाए
दबी वो प्यास मन की
नज़र में झिलमिलाए
दबी वो प्यास मन की
नज़र में झिलमिलाए
होंठों पे तेरी हल्की सी हँसी है
मेरी धड़कन बहकती जा रही है
ये पहले प्यार की ख़ुशबू
तेरी साँसों से शायद आ रही है
मेरी साँसों को जो महका रही है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.